डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 130 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 22 फरवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

मौसम: सूखने लगी गेहूं की बालियां

* रात-दिन के तापमान का असर फसलों से लेकर स्वास्थ्य पर * बादलों से अब तापमान गिरने की संभावना

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। तापमान बढ़ने के साथ गर्मी का एहसास होने लगा है। दिन की धूप अब सहन नहीं हो रही, तो रात में अब भी हल्की ठंडक बरकरार है। एक सप्ताह में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। वहीं न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री के बीच बना हुआ है।

मौसम के इस उतार-चढ़ाव का असर हर तरफ देखने को मिल रहा है। सूरज के तेवर दिखाने से बढ़ी गर्मी के कारण गेहूं की बालियां सूखने लगी हैं। वहीं दिन-रात के तापमान में अंतर बढ़ने से मौसमी बीमारियां खासकर गले में खराश के साथ सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बड़े अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। अभी कुछ दिन यही हालत रहेगी। क्योंकि, आगामी दस दिनों में से कुछ दिन आसमान में हल्के बादल भी छाएंगे। इससे दिन और रात दोनों के तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। तापमान गिरने और चढ़ने का सिलसिला फरवरी अंत तक चलेगा। ऐसे में मौसम विभाग का अनुमान है कि मार्च की शुरुआत में ही गर्मी अपने तेवर दिखाना शुरू कर सकती है। इस बार तेज गर्मी पड़ने की संभावना है।

24 फरवरी से बदलेगा मंदसौर का मौसम...

इन दिनों मौसम का मिश्रित असर देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम में हल्की ठंड महसूस हो रही है, वहीं दिन में गर्मी का अहसास होता है। जिले में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन तक मौसम का यही रुख बना रहेगा। इसके बाद दिन और रात के तापमान में गिरावट की संभावना है। विभाग ने 2 से 3 डिग्री तक तापमान में कमी की भविष्यवाणी की है। इस दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। वर्तमान में दक्षिण पाकिस्तान और राजस्थान के उप्पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय है। साथ ही उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी एक्टिव है।

बदलते मौसम का कहां- कैसा असर...

स्वास्थ्य: प्रदूषण हो रहा है। इससे सांस लेने में कुछ कठिनाई या गले में खराबी हो सकती है। खुले में कम रहें या मास्क लगाकर निकलने से राहत मिलेगी।

फसल: गेहूं की फसलों में बालियां आ गई हैं, गर्मी बढने से सूख रही हैं। इसका उत्पादन पर असर पड़ेगा। हालांकि रात में ठंडक है। यह पौधों के लिए अच्छी है।

जिले के अधिकतम तापमान का लगातार उतार-चढ़ाव जारी...

दिन	तापमान
21 फरवरी	31.0
20 फरवरी	31.0
19 फरवरी	31.4
18 फरवरी	32.0
17 फरवरी	32.2
16 फरवरी	33.4
15 फरवरी	33.2
14 फरवरी	32.2
13 फरवरी	30.0
12 फरवरी	30.1

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

हवा: कुछ दिनों से 11 से 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही। शुक्रवार को दोपहर में कुछ तेज झोंके भी आए। लेकिन, अभी कुछ दिन हवा इसी रफ्तार से चलेगी।

पेड़-पौधे: पतझड़ के मौसम ने दस्तक दे दी है। इसलिए हवा के साथ पेड-पौधों के पत्ते झड़ने लगे हैं। प्रकृति के रंगत बदलने की यह प्रक्रिया डेढ से दो महीने चलेगी।

इनका कहना...

24 फरवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा। इसका प्रभाव प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है। फरवरी माह में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होते हैं। इस कारण तापमान में उतार-चढाव की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है।

प्रमेंद्र कुमार रैकवार, मौसम वैज्ञानिक

मौसम एकाएक तेजी से बदल रहा है। इसलिए सर्दी-खांसी के साथ गले में खराश जैसे लक्षणों वाले मरीज बढ रहे हैं। इसलिए सावधानी रखना जरूरी है। मार्च में तेज गर्मी के साथ स्थिति सामान्य होगी।

डॉ योगेंद्र कोठारी, अनुयोग हॉस्पिटल

हफ्ता वसूली मांगने वाले छह बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

अलावदाखेड़ी में घर में घुसकर की थी मारपीट और तोड़फोड़, पुलिस ने जुलूस निकाला

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के अलावदा खेडी में पुरानी रंजिश को लेकर गुरुवार रात आधा दर्जन लोगों ने मिलकर मारपीट व तोड़फोड़ की वारदात को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने 07 लोगों के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया। शुक्रवार को सभी आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला।

शहर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात अलावदा खेडी निवासी राजेन्द्र पिता भुवान धनगर उम्र 45 वर्ष ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि गांव के ही अनिल और उसके साथियों ने घर में घुसकर रंगदारी मांगी, नहीं देने पर उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम देते हुए घर में पड़ी बाइक में तोड़फोड़ की। आरोपी जाते-जाते उसे जान से मारने की धमकी भी दे गए। मामले में फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अनिल पिता गोकुल दडिंग, विकास पिता उकार सूर्यवंशी, फैजल पिता मुजफ्फर रिजवी, ईश्वर सिंह पिता माधु सिंह राजपूत, विजेंद्र उर्फ विजय कक्षान पिता जीवन गोसर निवासी 12 क्वार्टर मंदसौर और राम प्रसाद उर्फ रामू उर्फ पीके पिता मुकेश वाघेला के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 296, 351(2),119(1), 308(5), 324(4), 3(5),111 में प्रकरण दर्ज किया था।

आदतन बदमाश है आरोपी...

शहर कोतवाली टीआई पुष्पेन्द्रसिंह राठौर ने बताया कि अलावदा खेडी में नरेन्द्र के घर में घुसकर आरोपियों ने मारपीट की थी। हमने 07 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। 06 आरोपियों को हमने गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें कोर्ट में पेश किया गया है। यह आदतन बदमाश है, इनके खिलाफ और भी प्रकरण दर्ज है।

नाहर से वसूली करने गए बदमाश फरार...

इधर मंदसौर शहर के पारख कालोनी निवासी सिद्धार्थ नाहर के घर पर पत्थरबाजी और वाहनो में तोड़फोड़ के सभी 08 आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है। बता दें दो दिन पूर्व अर्थात बुधवार रात को यह वारदात हुई थी। मामले में पुलिस को अंकित तंवर, निखिल तंवर, सौरभ कंडारे, राहुल संगतानी, बंटी चनाल, शुभम नाई, देव जोशी व कपिल जोशी की तलाश है।

श्रमायुक्त कार्यालय का बाबू रिश्वत लेते पकड़ाया

लोकायुक्त की कार्यवाही, एमपीईबी के सेवानिवृत्त कर्मचारी से मांग रहा था राशि निकालने के बदले ढाई हजार रुपए

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अभी तक कई कार्रवाई कर लोकायुक्त ने जिले में रिश्वतखोरों को पकड़ा है। हालांकि इन कार्रवाई में कहीं 25 हजार तो कहीं 10 हजार रुपए लिए गए। लेकिन, श्रम विभाग के बाबू ने तो रिश्वतखोरों का सम्मान ही गिरा दिया। कम से कम 50 हजार से ज्यादा तनख्वाह वाला बाबू महज 1800 रुपए के लालच में लोकायुक्त के हत्थे चढ गया। मामला सेवानिवृत्त मप्रविविकं के सेवानिवृत्त कर्मचारी से जुड़ा है। जो अपनी ग्रेज्युटी की ब्याज की राशि के लिए श्रम विभाग के दफ्तर के चक्कर काट रहा था। यहां उसका पाला बाबू कैलाश निनामा से पडा। कैलाश ने ढाई हजार की रिश्वत की मांग की। वहीं 1800 रुपए लेते समय लोकायुक्त ने उसे दबोच लिया।

मंदसौर में लोकायुक्त ने ड्रग विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग सहित कई विभागों में कार्यवाही कर रिश्वतखोरों को ट्रेप किया है। हालांकि, इसके बाद भी रिश्वतखोर कर्मचारी सुधरने को तैयार नहीं है। हद तो तब हो जाती है, जब कि एक सरकारी कर्मचारी दूसरे सेवावृत्त कर्मचारी से ही उसके हक की राशि देने के लिए रिश्वत की मांग करता है। मामला इस बार श्रम विभाग से जुडा हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार भगवतीलाल चौहान निवासी इंदिरा नगर मप्रविविकं के सेवानिवृत्त कर्मचारी है। जुलाई 2017 को भगवतीलाल चौहान सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हें उनकी ग्रेच्युएटी विलंब से मिली थी। जिसकी ब्याज की राशि के लिए श्रमायुक्त कार्यालय में जनवरी 2024 में आवेदन किया। यहां से आवेदक के पक्ष में 97,454 रुपए की राशि देने का आदेश किया गया। लेकिन इसके बाद विद्युत कंपनी ने श्रमायुक्त इंदौर में अपील की। लेकिन यहां भी कंपनी की अपील खारिज कर दी गई और राशि दिए जाने के आदेश दिए। इसके बाद भगवतीलाल चौहान श्रमायुक्त कार्यालय मंदसौर पहुंचे। लेकिन, यहां मौजूद बाबू कैलाश निनामा ने पहले उन्हें टरकाने की कोशिश की। इसके बाद कई चक्कर लगाए, लेकिन राशि नहीं मिली। बाद में बाबू कैलाश ने ढाई हजार रुपए रिश्वत की मांग की। इसके बाद 19 फरवरी को भगवतीलाल चौहान ने इसकी शिकायत लोकायुक्त उज्जैन को की। विभाग के अधिकारियों ने शिकायत की जांच पडताल की। जिसमें सत्यता प्रमाणित होने के बाद योजनाबद्ध तरीके से शुक्रवार को मंदसौर में टीम ने आमद दी। यहां 1800 रुपए रिश्वत की राशि लेकर भगवतीलाल चौहान को बाबू के पास भेजा गया। बाबू ने जैसे ही रिश्वत के रुपए लिए। लोकायुक्त की टीम वहां आ धमकी। नोटों को चेक किया गया। नोट वही निकले जो लोकायुक्त की टीम द्वारा दिए गए थे। इसके बाद आरोपी बाबू के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। लोकायुक्त टीम की इस कार्रवाई में आरक्षक श्याम, अनिल, उमेश, नेहा, हितेश व सहायक ग्रेड -3 रमेश शामिल थे।

युवक ने खाया जहर, मौत

नीमच, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बघाना थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा गांव में एक युवक ने गुरुवार शाम जहर खा लिया। उसने अपने पड़ोसियों और दोस्तों को इस बात की जानकारी दी। दोस्त तुरंत उसे बड़े अस्पताल ले गए। मृतक का नाम रितिक बताया गया है। बड़े अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे कनावटी के निजी अस्पताल रेफर किया गया। गुरुवार देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक का नाम रितिक पिता प्रकाश उम्र 22 वर्ष बताया गया है। रितिक अपनी मां और दादा-दादी के साथ रहता था। वह फर्नीचर बनाने का काम करता था।शुक्रवार सुबह बड़े अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बघाना थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जहर खाने का कारण अभी स्पष्टनहीं हो पाया है।

तस्करों के कब्जे से छुड़वाए 16 गौवंश, दो गिरफ्तार

नीमच, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नयागांव चौकी पुलिस ने एक ट्रक से 16 गोवंश को मुक्त कराया। ट्रक निंबाहेडा-नीमच फोरलेन हाइवे से महाराष्ट्र जा रहा था। पुलिस ने रोका तो उसमें निर्दयता से भरे गोवंश मिले। सभी गौवंश को सांवरिया महावीर गोशाला नयागांव में भेजा। ट्रक ड्राइवर चरणजीत सिंह और उसके साथी जतिंद्र कुमार को गिरफ्तार किया।

बताया गया है कि चरणजीत लुधियाना के पहीर गांव का रहने वाला है, जबकि जतिंद्र कपूरथला के खखरेन गांव का निवासी है। दोनों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध मप्र गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004, मप्र कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 1959 और पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया।

मारपीट, दोनों पक्षों पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के पुलिस ने दोनों पक्षों पर क्रास केस दर्ज किया। अरनिया देव निवासी सुन्दरलाल पाटीदार ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई शामिलाती कुए से पानी पिलाने के विवाद में मेरे भाई सुरेश व उसके दोनों बेटे कन्हैयालाल व हरिओम ने गाली-गलौज कर मारपीट की, पत्थर व केबल से मारा, जिसे हाथ, पैर, मूह व होठ पर चोंटे आई। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया। इसी तरह सुरेश पाटीदार ने शिकायत दर्ज कराई कि कुए से पानी पिलाने के विवाद में भाई सुन्दरलाल ने गाली-गलौज की व मारपीट की। जिससे कंधे, हाथ व सीने पर चोंट आई। पुलिस ने सुन्दरलाल पर केस दर्ज किया।

ऑटो की टक्कर से स्कूटी सवार दंपति घायल, उपचार के दौरान पत्नि की मौत

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के रेलवे स्टेशन रोड पर एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार दंपति घायल हो गए थे। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को स्कूटी सवार श्रीमती वर्षा शर्मा निवासी दशरथ नगर अपने पति जगदीश शर्मा के साथ स्कूटी पर सवार होकर बाजार से घर की तरफ जा रही थी। इसी दौरान स्टेशन रोड़ स्थित बंधन बैंक के सामने एक ऑटो ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे महिला को सिर में गंभीर चोट लगी। दंपति को बड़े अस्पताल ले जाया गया। यहां से महिला को गंभीर स्थिति देखते हुए रेफर किया गया। उपचार के दौरान उदयपुर में उनकी मौत हो गई। इस दुर्घटना में महिला के पति के सिर में चोटे लगी है। इधर मौके से ऑटो चालक फरार हो गया। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ऑटो चालक की तलाश की जा रही है।

महाशिवरात्रि 26 को, तैयारी में जुटा प्रशासन

पशुपतिनाथ के दरबार की 41 कैमरे रखेंगे नजर शिवरात्रि पर गर्भगृह में नहीं मिलेगा श्रद्धालुओं को प्रवेश

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि की तैयारियां जोरों पर हैं। आगामी 26 फरवरी को मनाए जाने वाले इस महापर्व के लिए मंदिर परिसर में आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कडे इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर में 41 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष योजना बनाई गई है।

महाशिवरात्रि पर भगवान पशुपतिनाथ को मेहंदी और हल्दी चढाई जाएगी। चारो पहर में भगवान के विशेष अभिषेक होंगे। शाम को भगवान का दूल्हे के रूप में श्रृंगार किया जाएगा। रात भर भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। सुरक्षा कारणों से इस दिन मंदिर के गर्भगृह में श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहेगा। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में रुकने की अनुमति नहीं होगी। दिनभर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सभी शिव मंदिरो में चल रही तैयारी...

महाशिवरात्रि पर्व के लिए शहर सहित अंचल के सभी प्रमुख शिव मंदिरो में तैयारी जोरो से चल रही है। शहर के जागेश्वर महादेव, जलेश्वर महादेव, चिंताहरण महादेव, नीलकंठ महादेव, अमलेश्वर महादेव, हरिहर धाम सहित अन्य मंदिरो में रंगरोगन, विद्युत सज्जा सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

विचार-मंथन

गंदे नालों में शोधन यंत्र लगाने की थी जरूरत

प्रयागराज महाकुंभ को लेकर जितना प्रचार-प्रसार किया गया, उत्तम व्यवस्था के जैसे दावे किए गए, जितनी भारी रकम खर्च करने के ब्योरे पेश किए गए, अब लगता है कि वह सब ढिंढोरा पीटने जैसा था। हकीकत में, अव्यवस्थाएं ही अधिक दर्ज हो रही हैं। इसमें लोगों के आने-जाने, रुकने-ठहरने, नहाने वगैरह के दौरान जो दुश्वारियां झेलनी पड़ीं, लोगों को घंटों गाड़ियों में कैद होकर सड़कों पर गुजारना पड़ा, रेलों में ठुंस-ठुंसा कर जैसे तैसे सफर करना पड़ा, भगदड़ में जो जानें गईं, पंडालों में आग लगने की घटनाएं हुईं उन सबसे अलग चिंता की बात यह है कि संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी नहाने लायक था ही नहीं। उससे त्वचा रोग और दूसरी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होने के खतरे बताए जा रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को अपनी रपट में बताया है कि संगम क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग दिन लिए गए पानी के नमूनों में गुणवत्ता बहुत खराब दर्ज हुई है। उसमें मानव और पशु मल-मूत्र से पैदा होने वाले 'फेकल कोलीफार्म' नामक जीवाणु की अत्यधिक मात्रा पाई गई है। इस तथ्य को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एक हफ्ते के भीतर रपट तलब की है। हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने महाकुंभ के स्नान शुरू होने से पहले ही निर्देश दिया था कि गंगा और यमुना के पानी की गुणवत्ता लोगों के नहाने लायक सुनिश्चित होनी चाहिए। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ताजा रपट से तो यही जाहिर होता है कि एनजीटी के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कहना है कि संगम क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्नान करने की वजह से 'फेकल कोलीफार्म' की मात्रा बढ़ गई। मगर यह दलील किसी के गले नहीं उतर रही।महाकुंभ से पहले संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी स्वच्छ करने के खूब दावे किए गए। सरकार खुद बता रही थी कि महाकुंभ में चालीस करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है और सौ करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की गई हैं। फिर, कैसे संगम क्षेत्र में पानी की सफाई को लेकर ऐसी लापरवाही बरती गई कि लोगों में बीमारी फैलने की आशंका जताई जाने लगी है। यह छिपी बात नहीं है कि तीर्थ स्थलों पर पूजा सामग्री आदि की वजह से तो गंदगी फैलती है, मगर वह वैसी खतरनाक नहीं होती, जैसी 'फेकल कोलीफार्म' के कारण हो सकती है। सब जानते हैं कि शहरों की गंदगी बिना शोधन के नदियों में गिरा दी जाती है। महाकुंभ में ऐसे गंदे नालों में शोधन यंत्र लगाने की जरूरत थी। पर शायद पर्याप्त मात्रा में नहीं लगाए जा सके। ऐसे पावन पर्वों पर बहुत सारे लोग स्नान के साथ आचमन भी करते हैं, नदी जल पीते हैं। इसलिए ज्यादा चिंता की बात है कि न जाने कितने लोगों को संक्रमण हो सकता है। जाहिर-सी बात है कि जिस तरह उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ के आयोजन में रह गई खामियों को किसी न किसी तरह ढंकने-छिपाने का प्रयास कर रही है, संगम क्षेत्र में फैले जल-प्रदूषण के तथ्य को भी छिपाने का प्रयास करेगी। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रपट से महाकुंभ के आयोजन में अव्यवस्था की एक और चिंताजनक परत उघड़ गई है।

आखिर भारत का असली दुश्मन कौन?

कमलेश पांडे

स्वाभाविक सवाल है कि भारत का असली दुश्मन कौन है? तो जवाब होगा कि भारत के कई दुश्मन हैं और इसके कारण भी अलग-अलग हैं। जहां तक राजनीतिक नजरिए और भौगोलिक सीमाओं का सवाल है तो चीन हमारा दुश्मन नम्बर वन है। वहीं, पाकिस्तान दुश्मन नम्बर 2, बंगलादेश दुश्मन नम्बर 3, नेपाल दुश्मन नम्बर 4, श्रीलंका दुश्मन नम्बर 5, मालदीव दुश्मन नम्बर 6, म्यामांर दुश्मन नम्बर 7, अफगानिस्तान दुश्मन नम्बर 8 और भूटान दुश्मन नम्बर 9 हैं। इन सबकी दांवपेंच भरी नीतियों से भारत किसी न किसी रूप में परेशान रहता है, क्योंकि अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, रूस और पश्चिमी देशों के शह पर ये भारत विरोधी नीतियों पर बहुधा अमल करते आए हैं। वहीं, सांस्कृतिक नजरिए से हिन्दू विरोधी होने के कारण कट्टर इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध आदि के आंतरिक गठजोड़ भी भारत के लिए आस्तीन के सांप जैसे हैं। क्योंकि पाकिस्तान, तुर्किये, ईरान आदि की शह पर कभी मुस्लिम देशों के संघ द्वारा, तो कभी ईसाई देशों के संघ द्वारा और इनके धर्मांध कारोबारियों द्वारा भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचे जाते हैं। साथ ही जैसे भारतीय मूल वाले सिख धर्म से जुड़े विदेशी लोगों को कनाडा-यूएसए द्वारा, दलित बौद्धों को चीन द्वारा भड़काया जाता है, अलगाववाद को बढ़वाया जाता है, वह भी भारत के भविष्य से दुश्मनी जैसा ही है। क्योंकि इनको शह देने वाले मुल्क भारत के हिंदुओं की जातीय और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काकर न केवल धर्मांतरण करवाते हैं, बल्कि गृह युद्ध के बीज भी यत्र-तत्र-सर्वत्र बुनते रहते हैं। दलित-ओबीसी साहित्य, साम्प्रदायिक इतिहास को शह आदि इनके सांस्कृतिक औजार बन चुके हैं। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में गुटनिरपेक्षता, सत्य व अहिंसा से अभिप्रेरित वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया जैसी उदात्त सोच से ग्लोबल साउथ मतलब तीसरी दुनिया के देशों के हितों की वकालत के चलते भी पश्चिमी राष्ट्र कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी, इटली आदि भारत से कभी प्रत्यक्ष और कभी परोक्ष शत्रुता रखते आए हैं। हालांकि, कड़वा सच यह है कि भारत के असली शत्रु हमारे मूढ़ राजनेता हैं, जो %महाभारत% काल से अभिप्रेरित सार्थक नीतियों को प्रश्रय देने तथा राष्ट्रवाद-हिंदूवाद को संरक्षित करने के बजाय पश्चिमी लोकतंत्र प्रेरित उस क्षुद्र धर्मनिरपेक्षता की वकालत करते आए हैं जो एक अंतर्राष्ट्रीय नैतिक महामारी समझी जाती है। चूंकि इसके सिद्धांत और व्यवहार में काफी अंतर दुनिया के देशों में पाया जाता है, इसलिए एशियाई संदर्भ में यह धर्मनिरपेक्षता भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति को कुचलने का एक बौद्धिक हथियार समझी जाती है। इसके अलावा दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा की जातीय अवधारणा, आदिवासी और आर्य के अंतर्राष्ट्रीय विभेद, अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक के धार्मिक विभेद, भाषाई क्षेत्रवाद और एक समान कानून बनाने के बजाय आभिजात्य वर्गों के हितों के मुताबिक कानून निर्माण और इनको लेकर बहुमत-अल्पमत की आत्मघाती राजनीति ऐसे संवैधानिक सवाल हैं जिसका विवेकसम्मत समाधान हमारे राजनेताओं को देना चाहिए लेकिन वह पीछे 75 साल में वह इस मामले में विफल रहे हैं। इस नजरिए से संविधान संरक्षण को लेकर अविवेकी न्यायिक हठ और कुतर्क भी एक बड़ी वजह है जिससे धर्मनिरपेक्षता जैसी टुच्ची सोच लाभान्वित है। वहीं जातीयता आदि विधि व्यवस्था के सवाल पर प्रशासनिक पूर्वाग्रह भी एक राजनैतिक त्रासदी ही है। इसलिए भारत के इस असली शत्रु को यदि हमलोग पहचान लिए, वैदिक संस्कृति के मुताबिक यहां के जनमानस को ढाल लिए, राजनीतिक अश्वमेध यज्ञ की पुनः शुरुआत कर लिए, तो भारत के जितने भी प्रत्यक्ष या परोक्ष शत्रु हैं, सबके दांत खट्टे किए जा सकते हैं। निःसन्देह, बदलते विश्व की यही डिमांड भी है, जिसको लेकर भारत के लोगों के बीच सांस्कृतिक व राजनीतिक जागरूकता फैलाने की जरूरत है। इससे अखण्ड भारत यानी महाभारत के सपनों को पुनः हासिल करना आसान हो जाएगा। हमारा देश विश्व गुरु और सोने की चिड़िया बन जाएगा। अब बात पुनः सैम पित्रोदा के बयानों की। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भले ही एक इंटरव्यू में कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इसलिए भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। ऐसा करके उन्होंने भाजपा और सपा दोनों पर निशाना साध दिया। सपा तो मित्रतापूर्ण सम्बन्धों के चलते चुप रही लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने उनके बयान आलोचना की है। लिहाजा, पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। इस बीच पार्टी ने उनके बयान से खुद को अलग कर लिया है। इस संबंध में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं। सवाल है कि चीन के बारे में पित्रोदा का नजरिया ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा भी चीन को लेकर अक्सर दुलमुल ही रही है। तभी तो ब्रेक के बाद मोदी-चिनफिंग मिले और बंगलादेश जैसा भारत विरोधी कुकाण्ड हो गया। इसलिए चीन के सवाल पर भाजपा-कांग्रेस में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। चाहे इनकी राजनीतिक दलीलें पित्रोदा को लेकर कुछ भी हो। हां, उनके चीन सम्बन्धी बयानों से कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी की ईर्ष्या जरूर बढ़ेगी। चूंकि कांग्रेस इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर रही है और यूपी में सपा के साथ उसके रिश्ते भी उतार-चढ़ाव भरे सियासी दांवपेंच वाले होते हैं, तो क्या यह समझा जाए कि पित्रोदा का यह बयान भी समाजवादी पार्टी की मौलिक विदेश नीति पर करारा तमाचा है। क्योंकि यूपी के कद्दावर मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव के पुत्र और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, यूपी के राजनीतिक पैंतरों से अक्सर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी परेशान रहा करते हैं। यूपी के दो लड़के के नाम से मशहूर यह सियासी जोड़ी जब एकजूट रहती है तो कभी सफल तो कभी विफल होती है। चूंकि सैम पित्रोदा राहुल गांधी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों में शुमार किये जाते हैं, इसलिए उनके ताजा बयानों को एक तीर से कई शिकार करने की सियासी कवायद समझा जा रहा है। राजनीति में यही होता भी आया है। अमेरिका से लेकर चीन तक और भारत से जुड़े विभिन्न सुलगते सवालों पर सैम पित्रोदा अपनी अटपटी बयानबाजियों के लिए मशहूर रहे हैं। इसलिए कभी कांग्रेस उन्हें अपनी पार्टी से हटाती है तो कभी ससम्मान लाकर ओवरसीज कांग्रेस सम्बन्धी पुरानी जिम्मेदारियों को थोप देती है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है।

ननि में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी पर सुको की तल्ख टिप्पणी

संतोष पाठक

इस देश के किसी भी शहर के किसी भी नगर निगम या विकास प्राधिकरण के कार्यालय चले जाइए, बाहर घूमते दलालों की फौज यह बताते हुए नजर आती है कि वहां किस पैमाने पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के तमाम दावों के बावजूद आम लोगों का रिश्वत दिए बिना कोई काम हो पाना, आज भी उतना ही मुश्किल है जितना कई वर्षों या दशकों पहले हुआ करता था। हालत यह है कि कोई भी व्यक्ति अपना निजी रिहायशी मकान बनवाने के लिए जैसे ही घर के सामने रेत,रोड़ी,बदरपुर और ईंट मंगवाते हैं वैसे ही पुलिस और नगर निगम अथवा विकास प्राधिकरण का कोई न कोई बंदा रिश्वत की मांग को लेकर पहुंच जाता है। लेकिन इन्ही के इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण होते रहते हैं, बिल्डरों की मनमानी चलती रहती है और ये चुप्पी साध कर बैठे रहते हैं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जैसे जिलों में तो हालात कहीं ज्यादा भयावह और बेकाबू हो चुके हैं। शहरीकरण की अंधी दौड़ में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी के कारण आम लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।देश की राजधानी दिल्ली की हालत भी इस मामले में बेहतर नहीं है। दिल्ली नगर निगम के कामकाज के बारे में तो सब जानते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम पर जिस तरह की तल्ख टिप्पणी कर दी है, उससे एक बार फिर से एमसीडी की कड़वी सच्चाई बाहर आ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने चांदनी चौक में अवैध निर्माण को लेकर दिल्ली नगर निगम की निष्क्रियता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए यहां तक कह दिया कि क्या दिल्ली नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने सोमवार को एक मामले में दिल्ली नगर निगम ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अवैध निर्माण को हटा दिया गया था और इसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के रवैये पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि, कोई पीआईएल दायर करता है, तब जाकर आप जागते हैं और दिखावे की कार्रवाई करने लगते हैं। हाई कोर्ट भी आपकी बातों को मानकर मामले को बंद कर देता है। क्या नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई से जांच करवाने की बात कहते हुए दिल्ली नगर निगम को कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है,जिसमें यह पूछा गया कि मामले की गहन जांच क्यों न कराई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल मौके का मुआयना ही काफी नहीं है, बल्कि दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि अवैध निर्माण की अनुमति किन कारणों से दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर जैसे स्वतंत्र विशेषज्ञों के नाम सुझाने को भी कहा है, जो साइट का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट दे सके। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट सीबीआई जांच को लेकर अपना फैसला दे सकती है। क्योंकि दिल्ली नगर निगम के बयान पर दिल्ली हाई कोर्ट इससे पहले बाग दीवार, फतेहपुरी, चांदनी चौक में अवैध निर्माण को हटाने संबंधी याचिका का निपटारा कर चुका है। यानी अवैध निर्माण को लेकर पीआईएल दायर होने के बाद ही दिल्ली नगर निगम जागती है, थोड़ी-बहुत कार्रवाई का दिखावा कर रिपोर्ट जमा कर देती है और हाई कोर्ट उस याचिका का निपटारा कर देता है। लेकिन इससे न तो बिल्डरों के रवैये में कोई बदलाव आता है और न ही दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के रवैये में। ऐसे में एक बार फिर से यही सवाल उठ कर सामने आ रहा है कि क्या अवैध निर्माण को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जानी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यकाल में इस तरह के अवैध निर्माण होते हैं,क्या उनके लिए भी सजा का कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तो प्लाटिंग करके जमीनों को लोगों को बेच दिया। कई जगह पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए बेचा गया और कई जगह बकायदा रजिस्ट्री भी करवाई गई लेकिन वर्षों बाद उसे सरकारी जमीन बता दिया जाता है।

मन्दिरों एवं धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने है, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हादसे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं। देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए।

सीएमओ ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

सफाई कार्य में लापरवाही करने पर दरोगा व अनुपस्थित कर्मचारियों पर हुई कार्यवाही

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका सीएमओ सुधीर कुमार सिंह ने शुक्रवार को मंदसौर नगर के वार्ड क्रमांक 23 की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर पूर्व नगर पालिका सभापति रामेश्वर मकवाना युवा नेता राजेश गुर्जर प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री हेमचंद शर्मा भी साथ में थे। सीएमओ श्री सिंह ने सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 23 में कार्यरत विक्रम पिता मनोहर तंवर का कार्य संतोषप्रद नहीं पाया, निरीक्षण के दौरान वार्ड में चार कर्मचारी बिना बताए व छुट्टी का आवेदन दिए बगैर अनुपस्थित मिले ,दो कर्मचारी कार्य स्थाल पर अनुपस्थित मिले, कुल मिलाकर 6 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। सफाई कार्य में लापरवाही एवं वार्ड की सफाई व्यवस्था पर ठीक से ध्यान नहीं देने के कारण विक्रम पिता मनोहर तंवर को प्रभारी वार्ड दरोगा से हटाने एवं अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस देने का आदेश प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को दिया। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री शर्मा ने भी लगभग एक घंटे तक भ्रमण किया और अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी ली।

सीए शाखा का वार्षिक उत्सव रंगारंग कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सीए शाखा मंदसौर का वार्षिक उत्सव समारोह सम्पन्न हुआ। प्रथम वार्षिक उत्सव में 100 से अधिक सीए परिवारजनों ने भाग लिया। समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए साथ ही मंदसौर शाखा द्वारा वर्ष भर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीए साथियों को 40 अवार्ड दिये गये।

चैयरमेन सीए दिनेश जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि सीए के पास अब और अधिक जवाबदेही आ गई है। अब सरकार द्वारा नये आयकर कानून का प्रारूप जारी कर दिया गया है। सरल शब्दों में बनाया गया यह प्रारूप प्रशंसनीय है। आपने कहा कि स्पष्ट व्याख्या से कानून के परिपालन में आसानी होगी तथा व्यापारियों को व्यापार करने में सुगमता होगी। सरकार लघु एवं मध्यम उद्योगों पर भी बहुत सी रियायते दे रही है, जिसका फायदा मंदसौर के उद्योगपतियों को मिलेगा। प्रारंभ में आईसीएआई मोटो सांग सीए अर्पित नागर ने प्रस्तुत किया। सचिव रिपोर्ट सीए विकास भण्डारी ने प्रस्तुत की। सीए आयुष जैन, सीए प्रज्वी जैन व सीए जमीला लोखंडवाला ने मासिक ई पत्रिका का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन सीए राजेश मण्डवारिया ने किया। सम्मान समारोह का संचालन सीए नयन जैन व सीए अर्पित नागदा ने किया। आरआरसी उदयपुर में भाग लेने वाले सीए साथियों का सम्मान सीए विजयसिंह पामेचा व सीए वीरेन्द्र जैन ने किया।

इस अवसर पर सीए विनय अग्रवाल, सीए नितेश भदादा, सीए आशीष जैन, सीए अर्पित नागर, सीए रोहन सोमानी, सीए विकास भण्डारी, सीए प्रमोद नाहर, सीए राजेश जैन, सीए अर्पित नागदा, सीए योगेन्द्र जैन, सीए आयुष जैन, सीए अमन नाहर, सीए अंकित नागर, सीए अंकित श्रीमाल, सीए अंकुश जैन, सीए अर्पित मेहता, सीए आशीष जैन, सीए भानुप्रताप नीमे, सीए चेतन गुप्ता, सीए गौरव गुप्ता, सीए जमीला

लोखण्डवाला, सीए जय विजयवर्गीय, सीए मयंक जैन, सीए प्रीति जैन, सीए नयन जैन, सीए नीतिन देवनानी, सीए प्रज्वी जैन, सीए रचित जैन, सीए राजेश मण्डवारिया, सीए रितेश पारीख, सीए सैफुद्दीन लोखंडवाला, सीए सिद्धार्थ विजयवर्गीय, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए सुबोध सिंहल, सीए सुशील जैसवानी, सीए तुषार कोठारी, सीए विरेन्द्र कुमार जैन, सीए विशाल मोगरा, सीए विश्वास श्रीमाल आदि का सम्मान पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

संपूर्ण भारत देश में स्थित सभी मंदिरों का एक विशाल सम्मेलन/महाकुंभ तिरुपति, आंध्र प्रदेश में सम्पन्न

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। संपूर्ण भारत देश में स्थित सभी मंदिरों का एक विशाल सम्मेलन/महाकुंभ (temple convention expo) तिरुपति, आंध्र प्रदेश में आयोजित हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत के आतिथ्य में हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम की प्रशंसा एवं शुभकामनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पत्र लेख कर की गई।

मंदिरों का यह महाकुंभ 3 दिन 17 फरवरी, 18 फरवरी और 19 फरवरी तक आशा कन्वेंशन सेंटर, तिरुपति में किया गया। प्रशिक्षण एवं जानकारी साझा भारत सरकार के सहयोग से टेंपल कनेक्ट ITCX2025 द्वारा किया गया। जहां मंदिर व्यवस्थाओं को बेहतर, सरल एवं आधुनिक बनाए जाने संबंधित जानकारी साझा की गई। पूरे आयोजन का मूल उद्देश्य मंदिरों को आपस में जोड़ना एवं व्यवस्थाओं को मजबूत बनाना हे। मंदिरों के इस महाकुंभ सम्मेलन ITCX2025 की मैगजीन में भारत के विशेष 25 मंदिरो के आर्टिकल में श्री पशुपतिनाथ मंदिर के आर्टिकल का चयन किया गया। इस विशाल सम्मेलन में मंदसौर जिले से तहसीलदार श्री विनोद शर्मा एवं श्री राहुल रुनवाल द्वारा सहभागिता की गई।

जिले में निरोगी काया अभियान 2025 का शुभारंभ

31 मार्च तक व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की नि:शुल्क की जाएगी जांच

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में निरोगी काया अभियान 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित इस अभियान के तहत प्रदेशभर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की नि:शुल्क जाँच की जायेगी।

अभियान का मुख्य उद्देश्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान और नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। ये बीमारियाँ प्रारंभिक अवस्था में बिना लक्षणों के होती हैं, लेकिन आगे चलकर हृदय रोग, लकवा, किडनी व लीवर की बीमारियों का कारण बन सकती हैं। इसलिए इस अभियान के तहत व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य जांच, रोग की शीघ्र पहचान और सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जीव्हायएएन अर्थात जी से गरीब, व्हाय से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी शक्ति को समर्पित केन्द्रीय बजट-सिसोदिया

सीए, डॉक्टर, मंडी व्यापारी सहित अनेक व्यवसायियों ने लिया प्रबुद्धजन संगोष्ठी में भाग

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार आज जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर केन्द्रीय बजट 2025-26 को लेकर पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, कार्यक्रम प्रभारीगण हिम्मत डांगी, उमेश पारिख की उपस्थिति में प्रबुद्धजन संगोष्ठी में सी.ए., डॉक्टर, मंडी व्यापारी गण सहित अनेक व्यवसायियों को बजट के ऐतिहासिक बिंदुओं से अवगत करवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय एंव डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत

संगोष्ठी के माध्यम से चर्चा करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एंव पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने कहा की विकसित राष्ट्र के कई मापदंड होते हैं। केंद्र सरकार का यह ऐतिहासिक बजट इन सभी मापदंडों पर देश को आगे बढाने वाला बजट है। लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम उद्योगों के लिए पांच करोड के ऋण को बढाकर दस करोड तक का ऋण देने का प्रावधान करने से देश में जहॉ निवेश बढेगा और साथ ही युवाओं के लिये नवीन रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करेगा। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने इस अवसर पर कहा की 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र में सरकार बनी थी। उस समय केंद्र सरकार का बजट करीब 16 लाख करोड का था। इस साल का बजट करीब 50 लाख करोड का है, जो 2013-14 की तुलना में तीन गुना से अधिक है। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह ने एक अच्छे अर्थशास्त्री होने के बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में दी जा रही किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट को 3 लाख रुपये से अधिक नहीं किया गया। जब की इस बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट को 5 लाख तक कर अन्नदाता उपहार दिया है। जिस तेजी के साथ हमारे बजट का आकार बढा है, वो ये दिखाता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बीते एक दशक में कितनी तेजी से आगे बढी है। श्री सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने बीते सालों में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए जो कदम उठाए हैं, उनके चलते महिलाएं लगातार सशक्त और सक्षम बन रही हैं। महिलाओं के रोजगार, स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित योजनाओं के लिए 12.5 हजार करोड का प्रावधान बजट में किया गया है। आशा और आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। प्रबुद्धजन संगोष्ठी के कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी भाजपा नेता हिम्मत डांगी ने किया एंव आभार सहयोगी सदस्य गण उमेश पारिख व पुष्पेन्द्र भावसार ने माना। प्रबुद्धजन संगोष्ठी कार्यक्रम में सीए विकास भंडारी, दिनेश जैन, मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेन्द्र नाहर, चेंबर ऑफ कॉमर्स दाउँ भाई विजयवर्गीय, शरद धींग, डॉ राजेश बोराना, क्लॉथ एसोसिएशन अध्यक्ष रमेश खत्री, समाजसेवी राजेंद्र चाष्ठ, डॉ जवाहर मंडलोई, नवीन सोमानी, नरेन्द्र जैन अन्ना, हलवाई एसोसिएशन लक्ष्मण महाराज, घनश्याम सोनी, सराफा व्यवसाय से योगेश पटेल, संगीत के क्षेत्र से श्री कल्याणी, विपिन कोडीफोडा, सुभाष गुप्ता, रूपनारायण मोदी, हंसराज कबाडी, अमरजीत सिंह चावला, सुरेश भावसार, राजेश चौहान, सुरेश राठौर सहित शहर के अनेक गणमान्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

डेमू के आगे कूदकर आत्महत्या करने वाली युवती की दूसरे दिन भी नही हुई शिनाख्त

पिपलियामंडी, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। डेमू ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने वाली युवती की दूसरे दिन भी शिनाख्त नही हो पाई। युवती के पास मिले मोबाइल का लॉक भी नही खुल पाया। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम थडोद अण्डरब्रिज के निकट डेमू के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। घटनास्थल पर युवती के निकट एक स्मार्ट मोबाइल भी मिला था। पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नही हो पाई। महिला के पास मिले मोबाइल का लॉक भी नही खुला। महिला के हाथ भी कोई शिनाख्त के लिए गुदा नाम नही है। मामले की जांच कर रहे पुलिस थाने के एसआई शिवदत्त यादव ने बताया शव की शिनाख्त नही हो पा रही है ट्रेन की चपेट में आने से महिला का चेहरा भी पूरी विकृत हो गया था, महिला का शव पीएम कक्ष में रखवाया है, शिनाख्त नही होने पर शनिवार को शव को दफनाया जाएगा।

जिला ताईक्वांडो एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने 5 गोल्ड, 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला स्पोर्ट्स ताइक्वांडो एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष सुरेश भाटी ने बताया कि जिला स्पोर्ट्स ताइक्वांडो एसोसिएशन मंदसौर के 7 खिलाडियों ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता जो दिनांक 27 से 30 जनवरी को तेलंगाना के हैदराबाद में चार दिवसीय राष्ट्रीय ताइक्वांडो 40 वी क्योरुगी 13 वी पुमसे प्रतियोगिता संपन्न हुई उसमें मंदसौर जिले के 8 खिलाडी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधि करते हुए 5 गोल्ड 2 ब्रांच मेडल अर्जित किये। मध्यप्रदेश टीम के हेड इंटरनेशनल रेफरी गौतम जी लश्करी टीम कोच गगन कुमार कुरील, नेशनल रेफरी श्री अतुल जी जाट थे। टीम के खिलाडियो खिलाडी धवल पिता विनय कुमावत, कृष्णा पिता चंद्रशेखर गड्रिया, सोनू पिता ओमप्रकाश मेघवाल, यश पिता सुनील हीवे ग्वाला, मीतांशी पिता चिन्मय कियावत ने गोल्ड मेडल, साहिल पिता कैलाश बोरीवाल,

तुलसी पिता केशव दास बैरागी ने ब्रॉन्ज मेडल जीते एवं आदित्य पिता ज्ञानेंद्र चैहान, का उत्कर्ष प्रदर्शन रहा। विजय खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में संस्था संरक्षक एडिशनल एसपी गौतम जी सोलंकी, खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी विजेंद्र जी देवडा ने सम्मानित किया।

मिक्स मार्षल आर्ट एसोसिएषन के संरक्षक श्री अनिल जी कियावत, पीजी कॉलेज के खेल अधिकारी श्री राज कुमार, शिक्षा विभाग खेल अधिकारी श्री बंषीलाल जी बारीवाल, एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुरेश जी भाटी, व्यवस्था प्रभारी विजय जी कोठारी, सचिव श्री गगन कुमार कुरील टे क्निकल डायरेक्टर सैयद श्री आफताब आलम, श्री सुनील जी हीवे ग्वाला, श्री अशोक जी गहलोत , असलम खान, श्री दिनेश जी चंदवानी, श्री दुर्गेश जी बेलानी, श्री एडवोकेट दीनदयाल भावसार, श्री हितेष जी सालवी, श्री धर्मेंद्र सिंह रानेरा, श्री कमलेश जी डोसी, शाहिद जी हुसैन, श्री यशवंत सिंह राठौर, श्री घनश्याम जी पुरोहित, श्रीमती धर्मेंद्र कुमारी बघेरवाल ने सभी खिलाडियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है।

मेडिकल टीचर्स एसो. ने अमानक दवाईयों की जलाई होली

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। चिकित्सक महासंघ के बैनर तले मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन मंदसौर द्वारा चलाये जा रहे चरणबद्ध आंदोलन की श्रृंखला में 21 फरवरी को दोपहर में इंदिरा गांधी जिला अस्पताल, मंदसौर में ओपीडी के सामने अमानक दवाइयों की प्रतीकात्मक होली दहन की।

मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन एवं सचिव डॉ. ईशांत चौरसिया ने बताया कि चिकित्सक महासंघ के बैनर तले प्रदेश के सभी 51 ज़िला अस्पताल, 68 सिविल अस्पताल, 97 सिविल डिस्पेंसरी, 335 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 1170 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल ऑफ़िसर्स, 18 चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सा शिक्षक एवं मेडीकल ऑफ़िसर्स दल, ईएसआई के सभी अस्पताल के मेडिकल ऑफ़िसर्स, मेडिको लीगल संस्थान के मेडिकल ऑफ़िसर्स, संविदा चिकित्सक ,जूनियर डॉक्टर्स ने संपूर्ण मध्य प्रदेश में चिकित्सक महासंघ ने सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में काली पट्टी बांधी एवं अमानक दवाईयों का दहन किया है। इस दौरान उपस्थित डॉक्टर्स ने एक सुर में माननीय उच्च न्यायालय से आदेशित उच्च स्तरीय समिति का गठन ,कैबिनेट से पारित डीएसीपी, एनपीए का सही क्रियान्वयन ,सातवें वेतनमान का वास्तविक लाभ 1 जनवरी 2016 से देना, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित नेशनल टास्क फ़ोर्स के सुरक्षा निर्देशों का क्रियान्वयन एवं चिकित्सा क्षेत्र में प्रशासनिक दखलंदाज़ी विषय में अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की गई। आज 22 फरवरी, शनिवार को समस्त चिकित्सक सामूहिक उपवास रखेंगे एवं मास्क पहनकर भोजन अवकाश में दोपहर आधा घंटे 12.30 से 1 तक अपने कार्यस्थल के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे। 24 फरवरी, सोमवार को समस्त चिकित्सक दोपहर 12.30 से 1.30 तक 1 घंटे तक कार्यस्थल के बहार प्रदर्शन करेंगे। वहीं 25 फरवरी, मंगलवार से प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा। विदित हो कि प्रदेश के समस्त चिकित्सक संगठन पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की बात करते रहे हैं, परंतु प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता एवं अतार्किक नीति निर्धारण के कारण प्रदेश स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सक आंदोलन के लिए बाध्य हुए है।

जिपं सीईओ ने की प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की

नीमच, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पीएम आवास योजना के तहत वर्तमान में जारी आवास प्लकस 2024 सर्वे के तहत सभी पात्र हितग्राहियों के नाम जोडे जाए। कोई भी पात्र हितग्राही सर्वे में नाम जुडने से वंचित ना रहे। पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास समग्र सीडिंग का शतप्रतिशत कार्य तेजी से पूर्ण करवाए। यह निर्देश जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अमन वैष्णव ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष नीमच में जनपदों के सी.ई.ओ. और सभी सेक्टर अधिकारियों की बैठक में ग्रामीण विकास विभाग की विभागीय समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में सभी उपयंत्री, पंचायत समन्वयक अधिकारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी एवं ब्लॉक समन्वयक भी उपस्थित थे।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने पीएम आवास योजना के तहत नवीन लक्ष्य अनुरूप आवास की स्वीकृति और प्रथम किश्त 28 फरवरी 2025 तक जारी करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होरने सभी सेक्टर अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर जाकर, सभी अपूर्ण आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण करवाए। साथ ही जनपद सीईओ को स्वच्छ भारत मिशन के तहत शेष व्यक्तिगत शौचालयों की जीयो टेकिंग करवाने और राज्य स्तर से प्राप्त सीमानुसार व्यक्तिगत शौचालय के हितग्राहियों को राशि जारी करने के निर्देश भी दिए। जिला पंचायत सीईओ ने उपयंत्रियों को निर्देशित किया, कि आवास के अलावा अन्यि नवीन कार्य जो अभी प्रारंभ नहीं है, उन्हें तत्काल प्रारंभ करवाकर, सीसी जारी करवाए और गत वर्ष के अपूर्ण कार्यो को पूर्ण कर, सीसी जारी करवाए। उन्होंने लंबित सामग्री के भुगतान के देयकों की मनरेगा पोर्टल पर प्रविष्टी करवाने के निर्देश भी दिए। आवास योजना के सभी हितग्राहियों को मनरेगा के तहत 90 दिवस के मानव दिवस रोजगार सृजन के लिए मस्टर जारी करने के निर्देश भी दिए।

परमात्मा की शक्ति से ही भारत को फिर से स्वर्णिम युग की ओर ले जाया जा सकता है-बीके उषा

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। ब्रह्माकुमारीज के तलेरा विहार कॉलोनी स्थित राजयोग केन्द्र पर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर परमात्म अवतरण का यादगार त्रिमूर्ति शिवजयन्ति महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह आत्म कल्याण भवन की संचालिका राजयोगिनी उषा दीदी के सानिध्य में एवं श्रीराम कथा के प्रवक्ता पं दशरथ भाईजी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता सुन्दरलाल मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. श्रीमती शशि गाँधी ने की। बतौर विषेष अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी गुरूचरण बग्गा, ,एवं श्री राम मोहन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सौरभ पाण्डे उपस्थित थे।

इस अवसर पर राजयोगिनी ब्रह्माकुमूरी उषा बहन ने कहा कि हम सबकी परिकल्पना है कि भारत विश्व गुरु बनकर विश्व में चमकेगा परन्तु वर्तमान परिस्थितियों में हम देखते है कि आज का मनुष्य परिस्थितियों के कारण व्यथित है, समस्याओं से ग्रसित हैं एवं वातावरण दूषित हैं । परन्तु फिर भी विभिन्न राजनैतिज्ञों, विचारकों, मनीषियों, समाज सुधारकों ने भारत के विकास में अपना योगदान दिया है विकास भी हुआ है परन्तु आध्यात्मिक दृष्टिसे खालीपन है, इसका कारण पापाचार, भ्रष्टचार, नकारात्मकता, गरीबी और बेगारी का प्रभाव है । ऐसे वातावरण को परिवर्तन की आवश्यकता है भारत को फिर से स्वर्णिम युग में ले जाने की आवश्यकता महसूस हो रही है परन्तु इसमे मनुष्यों की सार्म्थयता संभव नहीं है इस कार्य को परमात्मा की शक्ति से सम्पन्न किया जा सकेगा । आपने महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व एवं रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान को भूलने से नकारात्मक वृत्तियों का विस्तार हुआ है, यही विस्मृति सभी समस्याओं की जड है । श्री रामकथा प्रवक्ता पं दशरथ भाईजी ने कहा कि इस जगत का सर्वान्तर स्वामी, सूक्ष्म से सूक्ष्मतर और विराट स्वरूप में शिव व्याप्त है। जो चींटी के पैर में बजने वाली नुपुर की ध्वनि को सुन ले समझना उसमें शिवतत्व विराजित है। जो सब में दिखाई दे वो भी शिव तथा धुंधला होकर छिप जाये वह भी शिव ही है । विश्वकल्याण से पहले आत्मकल्याण की जरूरत है, मूर्त से अमूर्त की यात्रा में, द्ववैत से अद्वैत की ओर जाने की भावना, आत्मकल्याण की परिकल्पना जब जीवन में घटित होगी तब समझना भारत स्वर्णिम युग में प्रवेश कर गया । सुन्दरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ.शशि गाँधी ने कहा कि शिव की विस्मृति अर्थात प्रकृति का विनाश, जो अच्छाईयाँ परमात्मा में है वह सभी में होना चाहिये ब्रह्माकुमारी जैसी संस्थाये मनुष्यों में संस्कारों को जागृत कराने के कार्य का फलीभूत करेगी। वरिष्ठ समाजसेवी गुरूचरण बग्गा ने कहा कि हमारा देश आदिकाल से वैभव सम्पन्न था, सोने की चिडिया था परन्तु आक्रान्ताओं द्वारा देश की सभ्यता व संस्कृति को नष्टकिया, सम्पदा को लूटा, शिक्षा का विकृत किया परन्तु आज समय है सामाजिक विकृतियों की गुलामी से मुक्ति का । इस अवसर पर शिवध्वजारोहण किया गया, शिव ध्वज के नीचे सभी उपस्थित समुदाय को ब्रहमाकुमारी हेमलता द्वारा स्वर्णिम संसार के निर्माण में सहयोग की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ दीपेश एवं ब्रहमाकुमारी आकांक्षा के सुमधुर गीतों एवं नैंसी गंगवाल एवं कृति सैनी के नृत्य से किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी श्यामा, विद्युतलता, समेत गणमान्य जन एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के राजयोगी भाई-बहन सम्मिलित हुए।

जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक के लिए सुझाव 15 मार्च तक देवें

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टेन श्री संजय दिक्षित द्वारा बताया गया कि सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं और आश्रितों को सूचित किया जाता है कि सैनिक कल्याण के लिए एजेंडा, पॉइंट, सुझाव, समस्याएं (जिनका कलेक्टर के स्तर पर निराकरण लायक हो) को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में 15 मार्च तक लिखित में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर, पोस्ट या ईमेल करके पहुंचा सकते है। ताकि निराकरण हेतु उन्हे जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की तिमाही बैठक की कार्यवाही में सम्मिलित किया जा सकें।

जावद क्षेत्र के देवपुरा-केवड़िया में तेन्दुआ मृत

नीमच, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। 20 फरवरी 2025 को एक वन्यजीव तेन्दुआ की मृत्यु की घटना , जिसका स्थल वन भूमि कक्ष क्रमांक पी-67 एवं पी-68 की सीमा पर , बीट देवपुरा एवं केवडिया , वनपरिक्षेत्र जावद के अंतर्गत प्रकाश में आई। जिस पर एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित किया गया एवं उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। पोस्टमार्टम विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों (1) डॉ. संदीप शर्मा (2) डॉ. मीनल पाटनी (3) डॉ. गर्विता रूनवाल के द्वारा किया गया। वन्यजीव तेन्दुआ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाये गये। वनमण्डलाधिकारी नीमच एस.के. अटोदे के निर्देशन में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह/भस्मीकरण की कार्यवाही की गई। उपरोक्त समस्त कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है।

महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में आज भारतीय ज्ञान परम्परा, हिन्दी एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी ने अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा.एस .पी. पवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि मातृभाषा वह होती है जिसे व्यक्ति बचपन से अपने परिवार और समाज से सीखता है। उन्होंने मातृभाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समस्त भारतीय भाषाएं अमूल्य हैं, हमें उन्हें प्राथमिकता देनी चाहिए और विलुप्त होने से बचा ना चाहिए। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. प्रीति श्रीवास्तव ने कहा कि भाषा हमारे भावों को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है । भावों की अभिव्यक्ति मातृभाषा में ही सहज और सरल होती है अत: हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करते हुए उसका प्रयोग करने में कभी भी संकोच नहीं करना चाहिए। भाषाओं में हमारे देश की संस्कृति और परम्पराएं समाहित है। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सीमा जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता को बढावा देना है । मातृभाषा हमारी धरोहर है और यह हमारी परंपरा व संस्कृति से जुडने का माध्यम है हमें अपनी मातृभाषा को वह सम्मान देना चाहिए जिसकी वह वास्तविक रूप से हकदार है। संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. पंकज शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा का एकमात्र उद्देश्य सरलता से अपने भावों को सम्प्रेषित करना है अत: आज बहुत से पाठ्यक्रम अपने-अपने क्षेत्र की मातृ भाषाओं में रूपांतरित किये जा रहे हैं जिससे कि उनका अध्ययन सरलता से किया जा सके । इस अवसर पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी विभाग की डॉ. ज्योति डोसी एवं डॉ. नेहा दीक्षित ने मालवी भाषा में कविता प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने भी काव्यपाठ कर मातृभाषा के प्रति अपनी भावों को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. ललिता लोधा ने किया तथा आभार वर्दीचंद राठौर ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

समय पर जीएसटी रिटर्न फाइल कर ब्याज व लेट फीस से बचे-जीएसटी कमिश्नर

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। 21 फरवरी को मंदसौर में जीएसटी कमिश्नर श्री पी. देवराज ने व्यापारियों, उद्योग जगत, सीए एसोसिएशन, कर सलाहकार संघ के साथ मीटिंग कर उनको आने वाली कठिनाइयों व समस्याओं को जाना और उनके निराकरण का प्रयास किया। कमिश्नर श्री देवराज ने जीएसटी की धारा 73 (5) के तहत एमनेस्टी स्कीम का फायदा लेने हेतु 31 मार्च से पहले ऑनलाइन आवेदन देने का अनुरोध किया ताकि ब्याज व जुर्माना से बचा जा सकेगा। आपने सभी सीए, कर सलाहकार एवं व्यापारी बन्धुओं से जीएसटीआर-1 व जीएसटीआर 3बी के रिटर्न को समय सीमा के भीतर फाइल करने का अनुरोध किया ताकि ब्याज व लेट फीस से बचा जा सके। आपके साथ उज्जैन से पधारे अधीक्षक सुरेश आर्य, राधामोहन विश्वकर्मा, मंदसौर रेंज अधीक्षक भरतराज मीना ने जीएसटी से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिये। कार्यक्रम के शुरुआत में सीए ब्रांच की ओर से सीए दिनेश जैन, सीए विकास भण्डारी, सीए राजेश मण्डवारिया, सीए विरेन्द्र जैन, अर्पित नागदा के द्वारा स्वागत किया गया। कर सलाहकार संघ की ओर से मुकेश पारिख, आयुष जैन, मनीष मित्तल, एस.एन. काला ने स्वागत किया। व्यापारी प्रतिनिधि के रूप में अभय डोसी, शरद धींग, मुकेश जैन द्वारा सुझाव प्रेषित किये। आभार जीएसटी इंस्पेक्टर विकास सांखला द्वारा किया गया।

एडीएम द्वारा जप्त शुदा वाहन राजसात

नीमच, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस थाना रतनगढ के अपराध क्रमांक 174/2024, म.प्र.गौवंश वध प्रतिशेध अधिनियम म.प्र.कृषि पशु निवारण अधिनियम, म.प्र.पशु क्रुरता अधिनियम एवं एमव्हीत एक्टम के एक प्रकरण में ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी गामड द्वारा जप्त 1शुदा पिकअप वाहन क्रमांक- एम.पी.45 जी.1687 तथा उसमें क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे कुल 4 नग केडे (गौवंश) को मध्यिप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध नियम के तहत शासन हित में राजसात करने का आदेश जारी किया गया हैं।

महाशिवरात्रि पर निकलेगी शाही सवारी

मनासा, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सोमनाथ बाबा की तेरहवी शाही सवारी निकलेगी इस सवारी मे बाबा सोमनाथ नगर भ्रमण कर भक्तो को दर्शन देंगे 26 फरवरी को दोपहर दो बजे यह सवारी बैंड बाजे ढोल नगाडे ओर अखाडे के साथ सोमनाथ महादेव से प्रारम्भ होकर गाँधी चौक, विजय स्तम्भ जूनासाथ उषागंज के रास्ते भ्रमण कर फिर सोमनाथ महादेव पंहुचेगी सोमनाथ महादेव मंदिर उत्सव समिति के भक्त दिनेश मंत्री दिलीप असतोलिया गोपाल सेन सत्यनारायण झंवर सत्तू ग्वाला कृष्णा सोनी ओर महादेव सेवक आशीष गुरु ने अधिक से अधिक संख्या मे भोले के भक्तगणो से सवारी के आयोजन आने की अपील की है

भारतीय भाषाए तथा भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठके जारी कैलेन्डर के अनुसार भारतीय भाषायें एवं भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ.उमा गगरानी ने बताया कि भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत है और ज्ञान परंपरा के जनक वेद है। जब हम अपनी भाषा की उन्नति करते है तो सब उन्नति करते है। धीरे-धीरे हमारी आवश्यकता, जरूरत के अनुरूप जब हम संस्कृत को बदलते तो वो अपभ्रंश है। ज्ञान परंपरा को प्राप्त करने के लिए भारतीय भाषाओं को अपभ्रंश किया तो हम दूसरी चकाचैंध के पीछे पड गये औरह में ज्ञान से अज्ञान की ओर चले गये ।हम दूसरी भाषाओं

को बढावा देने लग गये इसलिए हम अंतराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाना पड रहा है। हमें युवाओं को इसकी महत्ता समझानी पड रहीं है। उन्होने छात्राओं से आगह किया कि अपनी मातृभाषा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें।

वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल. पाटीदार द्वारा विषय प्रवर्तक करते हुए कहा कि सबसे पहले भाषण वाली छात्राओं को बधाई दी एवं प्रोत्साहन दिया। विषय पर बोलते हुए बताया कि हिन्दी विश्व पटल पर एक इन्टरनेशनल भाषा को हम अगत वरियता देते है। तो वो अपना स्थान आपने आप पा लेगी। हमारे यहां पर 22 को वरीयता दी है। इस भाषा के साथ हम पिछड नहीं रहे है बल्कि इसे विश्व ने अपनाया है और छात्राओं को बोला कि इस भाषा का एक गर्व कि भाषा एवं विषय मानें। प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 8वीं सूची में 21 भाषायें रजिस्टर है। हर जगह कि भाषा में विविधता है। बोलने के तरीके से उस क्षेत्र का ज्ञान हो जाता है। मातृभाषा के साथ ही मां जैसा शब्द जुडा है तो एक मां जैसी भूमिका रखती है। हमारे साथ हमारे पूर्वजों की भाषा जुडी हुई है। तो हम समझ सकते हे कि उस भाषा के ज्ञान से हम अपने ईष्ट, लक्ष्य और अपने ध्यये को प्राप्त कर सकते है। इस अवसर पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगितायें आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मनीषा प्रजापति बी.ए प्रथम, द्वितीय स्थान साक्षी चन्द्रावत बी.ए तृतीय वर्ष तथा तृतीय स्थान सुमित्रा बावरिया बी.ए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साक्षी चन्द्रावत बी.ए तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान स्वलेहा खान बी.ए द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान मनिषा मालवीय बी.ए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार श्रीमती रजनी यादव ग्रंथपाल ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	3	23085	2308
उडद	20	5057	6448
सोयाबीन	39025	3601	4275
गैहु	2748	2700	3276
चना	140	4801	5530
मसुर	331	4851	5900
धनिया	770	4500	7200
लहसुन	18000	3000	6800
मैथी	550	3400	5800
मुंगफली	1261	4000	5056
अलसी	1502	5701	6081
सरसो	2516	5300	5815
तारामीरा	4	4161	4271
इसबगोल	60	9600	12000
प्याज	1247	1051	2851
कलोंजी	0000	00000	00000
तुलसी बीज	6	10501	14454
डॉलर	10	4001	6101
तिल्ली	20	7200	8601
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	11	4500	5151
असालीया	150	6400	7210
चियाबीज	83	8501	12400

प्रधानमंत्री मोदी के 'एलआईएफई' विजन के अनुरूप है प्रदेश की बॉयो फ्यूल योजना-2025-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बॉयो फ्यूल बॉयो फ्यूल योजना-2025 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' (एलआईएफई) अभियान के मूल सिद्धांतों के अनुरूप है, जिसमें सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन पर जोर दिया गया है। यह योजना प्रदेश की कृषि शक्ति का पूर्ण लाभ उठाते हुए नवाचार को बढावा देगी। प्रदेशवासियों के लिए हरित और समृद्ध भविष्य के साथ, योजना से प्रदेश में बॉयो फ्यूल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, बॉयो ऊर्जा संयंत्र, फीड स्टॉक उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर व्यापक रूप से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। योजना से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी, साथ ही पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी।

हरित ऊर्जा उत्पादन और रोजगार सृजन की क्रांतिकारी पहल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'बॉयो फ्यूल योजना-2025' राज्य की आर्थिक समृद्धि, हरित ऊर्जा उत्पादन और रोजगार सृजन के लिए क्रांतिकारी पहल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सतत विकास और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नई उंचाइयां छू रहा है। उनकी प्रेरणा से मध्यप्रदेश सरकार भी ऐसी योजनाएं बना रही है, जो दीर्घकालिक रूप से पर्यावरण के अनुकूल हों और रोजगार सृजन को बढावा दें। इस योजना से प्रदेश में कृषि एवं जैव अपशिष्टका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा, जिससे पर्यावरण अनुकूल ईंधन का उत्पादन किया जा सकेगा और राज्य हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा। नवकरणीय ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'बॉयो फ्यूल योजना-2025' को मंत्रि-परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है।

बॉयो फ्यूल उत्पादन संयंत्र के लिये भूमि आवंटन सहित अनेक रियायतें- प्रदेश सरकार ने इस योजना के तहत बॉयो फ्यूल उत्पादन संयंत्र स्थापना के लिये भूमि आवंटन, निवेश प्रोत्साहन, आधारभूत संरचना विकास में सहायता और कर रियायतें प्रदान करने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश में स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढावा मिलेगा, किसानों को अतिरिक्त आय के साधन मिलेंगे और औद्योगिक निवेश को बढावा मिलेगा। बॉयो फ्यूल यूनिट्स के लिए बुनियादी निवेश प्रोत्साहन, इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं पर अनुदान और विद्युत शुल्क में छूट जैसी अनेक सहूलियतें दी जा रही हैं, जिससे प्रदेश को जैव ईंधन उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके। इस योजना के माध्यम से प्रदेश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पर्यावरण अनुकूल उद्योगों के विकास को गति मिलेगी।

बॉयो फ्यूल और ग्रीन एनर्जी में आकर्षित होंगे निवेशक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कि भोपाल में 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बॉयो फ्यूल योजना को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। समिट में देश-विदेश के निवेशक, उद्योग जगत के दिग्गज और नीति-निर्माता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से बॉयो फ्यूल और ग्रीन एनर्जी में निवेश को आकर्षित किया जाएगा। इससे प्रदेश में सतत विकास, निवेश और रोजगार सृजन की नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

सप्लाई चैन विकसित करने का प्रावधान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बॉयो फ्यूल योजना में मुख्यत: बॉयो सीएनजी, बॉयो मास ब्रिकेट एवं पेलेट और बॉयोडीजल जैसे ईंधन शामिल हैं। यह बॉयो फ्यूल उत्पादन के सभी पहलुओं को कवर करती है, जिसमें फीडस्टॉक खेती, उत्पादन तकनीक, वितरण और उपयोग जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। योजना में बॉयो फ्यूल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट एवं बॉयो ऊर्जा संयंत्रों को कई लाभ प्रदान किए जाएंगे, साथ ही किसान संस्थाओं को कृषि उपकरण हेतु सब्सिडी, बॉयो मास एवं खाद की बिक्री सुनिश्चित करने और सप्लाई चैन विकसित करने के प्रावधान भी शामिल हैं। बॉयो फ्यूल उत्पादन संयंत्रों की स्थापना हेतु भूमि को प्रथम प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि बॉयो मास उत्पादन के लिए सरकारी भूमि का उपयोग कलेक्टर दर के 10% वार्षिक शुल्क पर प्रदान किया जाएगा।

बुनियादी निवेश प्रोत्साहन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना के तहत बॉयो फ्यूल यूनिट को 200 करोड रूपये तक का बुनियादी निवेश प्रोत्साहन (बीआईपीए) उपलब्ध कराया जाएगा, साथ ही बिजली, पानी, गैस पाइप लाइन, सड़क, जल निकासी, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली (ईटीपी, एसटीपी, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण) के विकास हेतु 50% प्रोत्साहन (अधिकतम 5 करोड रूपये तक की सहायता) प्रदान की जाएगी। विद्युत शुल्क एवं ऊर्जा विकास उपकर में 10 साल तक की छूट दी जाएगी और औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा 500 करोड रूपये से अधिक के निवेश पर अनुकूलित पैकेज भी उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आईपीआर एवं क्वालिटी कंट्रोल सहायता का प्रोत्साहन भी योजना में शामिल है।

गरोठ के औद्योगिक क्षेत्र में चल रही केमिकल फैक्टरियों के विरोध में किसान सड़क पर उतरे

मौके पर पहुंचे महाप्रबंधक ने एक फैक्ट्री को बंद कराया, दो अभी भी चालू

गरोठ, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के स्टेशन रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बिना अनुमति के चल रही केमिकल फैक्टरियो का किसानों ने विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि इन फैक्टरियो से उनके खेतों के उपयोग में आने वाले जल स्त्रोत प्रदूषित व खराब हो रहे है, इसके साथ ही उपजाऊजमीन भी नष्ट हो रही है। र

जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में कैमिकल की तीन फैक्ट्रियां संचालित हो रही थी। शुक्रवार दोपहर आसपास के किसानों तथा अन्य औद्योगिक इकाइयों के संचालकों ने इन केमिकल फैक्टरियो को बंद करने की मांग को लेकर करीब 3 घंटे तक हंगामा कर दिया। इसके बाद मौके पर राजस्व विभाग से पटवारी अजय पाटीदार, दीपक पाटीदार तथा सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी मनोज महाजन सहित पुलिस कर्मी पहुंचे। हंगामा बढते देख औद्योगिक विभाग के महाप्रबंधक दिनेश कुमार चम्पेवार भी मौके पर पहुंचे। चम्पेवार ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में दो केमिकल फैक्ट्री पद्मावत व श्याम कैमिकल फेक्ट्री की अनुमति है। वहीं मेसर्स नेमत केमिकल फैक्ट्री की लीज डीड निरस्त होने के बावजूद संचालित होने पर उसे बन्द रखने के निर्देश दिए है। इससे पहले मौके पर पहुंचे पटवारी ने गरोठ एसडीएम कार्यालय पर तीनो फैक्ट्री संचालकों से दस्तावेज दिखाने की मांग की। केमिकल फैक्टरियो के संचालकों द्वारा दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने के बाद आगे फेक्ट्री चालू करने की बात कही है। वहीं किसानों का आरोप है कि यह केमिकल फैक्ट्रियां क्षेत्र की उपजाऊजमीन तथा जल स्रोतों के जल को पूरी तरह खराब कर रही है। जिसके चलते किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ काफी नुकसान हो रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में राजनीतिक संरक्षण में इस प्रकार की घातक क्लीनिकल फैक्ट्रियां संचालित होने का आरोप भी उपस्थित किसानों द्वारा लगाया गया है।

पूर्व में भी हुआ था हंगामा, 5 फैक्ट्री के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने काटे थे कनेक्शन...

जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 में किसानों ने हंगामा किया था। इसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उज्जैन की टीम ने आकर फैक्ट्री का निरीक्षण किया था। जिसमें पाया था की फैक्ट्री में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का पालन नहीं हो रहा है। जिसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति निरस्त कर उनके कनेक्शन काटने के निर्देश दिए थे। इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र में संचालित सभी केमिकल फैक्ट्री के कनेक्शन काट दिए थे। बाद में पद्मावत केमिकल एवं श्याम केमिकल को उद्योग विभाग द्वारा अनुमति मिल गई थी। केमिकल की तीसरी फैक्ट्री डालने के बाद शुक्रवार को किसानों ने हंगामा किया।

औद्योगिक क्षेत्र में सिंडिकेट रॉ मैटेरियल न लेने पर करते हैं परेशान, यह भी उन्हीं लोगों का बनाया हुआ जाल...

श्याम इंडस्ट्री के मालिक सुरेश यादव ने बताया कि हमारी फैक्ट्री में गेहूं के सुकले का उपयोग होता है। इसे हम बाहर से मंगाते हैं। औद्योगिक क्षेत्र में सिंडिकेट है जो चाहता है हम उनसे मॉल खरीदें। यही कारण है कि वह किसानों को इकट्ठा कर हर बार परेशान करता है और धमकी देता है। पूर्व में भी इस प्रकार का ही कार्य किया गया है हमें विभाग की अनुमति है। औद्योगिक क्षेत्र है इसीलिए यहां उद्योग डालकर कार्य कर रहे हैं। वहीं पद्मावत केमिकल फैक्ट्री के संचालक ने बताया कि फैक्ट्री के अंदर सभी नियमों का पालन किया जा रहा है। जबरन परेशान करने की दृष्टि से हंगामा किया गया है।

इनका कहना...

तहसीलदार साहब के निर्देश पर लॉ एन ऑर्डर की दृष्टि से मौके पर गए थे। औद्योगिक क्षेत्र के महाप्रबंधक भी पहुंचे। पूरे मामले से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया है। फैक्ट्री संचालकों से दस्तावेज तलब करने के निर्देश दिए हैं। तब तक फैक्ट्री संचालक पर रोक लगाई है।

दीपक पाटीदार, पटवारी

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस मंदसौर के सप्त दिवसीय रासेयो शिविर का शुभारंभ

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस.दुबे ने बताया कि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संस्था स्तरीय सप्त दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन दिनांक 21 फरवरी को ग्राम पंचायत रिछालाल मुंहा में हुआ। जिसमें एनएसएस के अनेक शिविरार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन व द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सात दिवस तक ग्रामीण संस्कृति को पहचाने, जाने एवं गांव के लोगों को भी स्वच्छता, सेवा और पर्यावरण के बारे में जागरूक करें। अध्यक्ष स्थानीय प्रबंधन समिति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर श्री नरेश चंदवानी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ग्रामवासियों को रैली, नाटक के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दे कर जागरूक करें। अध्यक्ष जनपद पंचायत मंदसौर श्री बसंत जी शर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया एवं स्वयं के अनुभव सुनाए। ग्राम रिछालाल मूंहा पंचायत सरपंच श्री मधुसूदन जी पाटीदार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम रिछालाल मूंहा में एनएसएस कैंप को आयोजित करने के लिए कई प्रयास किए, उन्होंने स्वयं भी एनएसएस कैंप में पूर्व में सहभागिता की थी। एनएसएस कैंप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्घाटन सत्र में मंडल अध्यक्ष भाजपा दलौदा श्री विकास सुराणा, अध्यक्ष जन भागीदारी समिति दलौदा श्री हेमंत धनोतिया एवं उप सरपंच श्री गजेंद्र शर्मा, प्रभारी प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर डॉ एस.पी. पंवार, जिला संगठक एनएसएस डॉ. के.आर. सूर्यवंशी मौजूद रहे।

सामाजिक संस्थाओं के नीति निर्धारण में मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की अहम भूमिका-मालवीय

मंदसौर, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद शासन एवं समाज के बीच सेतु का काम कर रहा हैं। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद का गठन 1996 में किया गया था। जिसका विस्तृत स्वरूप उदय प्रशिक्षण के साथ 2007 में हुआ। इसके साथ ही वर्ष 2008 में प्रारंभ प्रशिक्षण के साथ जिला एवं विकासखंड मुख्यालय पर कार्यकत्ताओ की नियुक्त हुई।

उपरोक्त विचार मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद जिला मंदसौर द्वारा समृद्धि योजना अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों के प्रशिक्षण में शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र मंदसौर में संभाग समन्वयक उज्जैन श्री शिवप्रसाद मालवीय ने व्यक्त किये। संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय ने कहा कि मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद समाज को जागरूकता करने के साथ ही शासन की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही सामाजिक संस्थाओ के नीति

निर्धारण में भी मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की अहम भूमिका रही है। प्रशिक्षण का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित के साथ संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय, डॉ जी एस चुंडावत कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी, वैज्ञानिक डॉक्टर एसपी त्रिपाठी, जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी, जिला समन्वयक प्रेमसिह चौहान, एनआरएलएम जिला प्रबंधक नदीम त्यागी, हेमंत गौड़, विकासखंड समन्वयक अर्चना भट्ट, नारायणसिंह निनामा ने किया।

प्रशिक्षण में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के बारे में जानकारी देते हुए जिला प्रबंधक आईबीसीबी एनआरएलएम श्री नदीम त्यागी ने बताया कि हमारे धर्म ग्रंथो में दान देने की परम्पराएं प्राचीन समय से प्रचलित है। सभी धर्म समुदाय में दान देना पुण्य माना गया है। मुल्यांकन एवं अनुश्रवण के बारे जानकारी देते हुए श्रीमति अर्चना भट्टने बताया की प्रत्येक संस्था को निरंतर मुल्यांकन करना चाहिए। साथ ही व्यक्तिगत मुल्यांकन भी होना चाहिए। सामाजिक अंकेक्षण के बारे मे जानकारी दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन अर्चना भट्टद्वारा किया गया।अंत में आभार जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी द्वारा माना गया। प्रशिक्षण में जिले की समस्त सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक उपस्थित हुए। अतं मे सभी प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह जानकारी हरिओम गंधर्व ने दी।

बाइक सवार से बरामद हुआ 30 किलो डोडाचूरा

पिपलियामंडी, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने 30 किलो डोडाचूरा समेत बाइक सवार आरोपी को पकडा। पुलिस ने डोडाचूरा देने व लेने वालों को भी आरोपी बनाया, जो फरार है। मुखबिर की सूचना पर नारायणगढ थानान्तर्गत झारडा चोकी पुलिस ने अडमालिया फन्टे पर नाकाबंदी कर मंशाखेडी की ओर से आ रही बाइक (एमपी 14 जेडई 4052) को रोका, पुलिस को देखकर आरोपी ने बाइक को वापस घुमाकर भागने की कौशिश की, लेकिन पुलिस ने आरोपी को पकड लिया। तलाशी के दौरान बाइक सवार के कब्जे से दो बेग व एक प्लास्टिक कट्टे में भरा 30 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान बोहराखेडी (मंदसौर) निवासी चेनसिंह पिता कालूसिंह डाबी होना बताई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया व बाइक व डोडाचूरा जब्ती में ली। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उक्त डोडाचूरा वह धतुरिया (मंदसौर) निवासी मांगीलाल पिता भेरुलाल राठौर से लेकर आया था तथा मनासा (नीमच) निवासी दिनेश पिता भागीरथ खटीक को देने जा रहा था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर आरोपी बनाया है जो फरार है।

कश्मीर में बदला मौसम, भारी बर्फबारी, जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद, 300 से अधिक वाहन फंसे

नई दिल्ली, 21 फरवरी। मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 13 राज्यों में मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया है। कश्मीर में बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद हो गया है। इससे करीब 300 वाहन फंसे हुए हैं, जिनको निकालने का काम जारी है। हिमाचल के कई इलाकों में बर्फबारी जारी है। रोहतांग, बारालाचा, शिंकुला व कुंजम दर्रे में डेढ से दो फीट बर्फ की चादर बिछी है।

शिमला व मनाली में भी यही हाल है। अटल टनल रोहतांग के दोनों छोर में डेढ फीट बर्फ बिछ गई है। अब मौसम विभाग ने कांगड़ा, चंबा, कुल्लू और मंडी जिलों में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। पंजाब के अमृतसर समेत कई इलाकों में बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई है। पंजाब में तापमान में 4 डिग्री तक की कमी आई है। वहीं, राजस्थान में हल्की बारिश के बाद कई क्षेत्रों में ठंड बढ गई है। वहीं, राजस्थान में आंधी-बारिश के बाद हल्की सर्दी बढ गई। क्क के मेरठ और हापुड में गुरुवार देर रात करीब आधे घंटे तक ओले गिरे। ओडिशा में अगले तीन दिन यानी रविवार तक भारी बारिश की चेतावनी है। कई जिलों में फसलों को नुकसान भी पहुंच सकता है। इसके चलते राज्य सरकार ने 25 जिलों में अलर्ट जारी किया है।

दम्पत्ति को पीटा, पिता-पुत्र पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। रास्ते के विवाद में दम्पत्ति के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र पर केस दर्ज किया। सनावदा निवासी मंजूबाई पति बाबूलाल गायरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रास्ते के विवाद में खेत के पडोसी संजय प्रजापत व उसके पिता कन्हैयालाल प्रजापत ने गाली-गलौज की व फावडे से मारा, जिससे हाथ, पैर पर गंभीर चोंटे आई। मेरे पति बीच-बचाव करने आए तो उनके साथ भी मारपीट की, व फावडे से मारा जिससे कोहनी, सिर व पैर में चोंटे आई। पुलिस ने पिता-पुत्र पर केस दर्ज किया।

दलौदा महाविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप की शुरुआत

मेरे भारत के लिए युवा और डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर होगी कई गतिविधियां

दलौदा, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा की एनएसएस इकाई की ओर से जनभागीदारी समिति अध्यक्ष हेमंत धनोतिया के मार्गदर्शन एवं प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र मालीवाड की अध्यक्षता में मेरे भारत के लिए युवा और डिजिटल साक्षरता के लिए युवा ' थीम पर एक सप्ताह का विशेष कैंप (शिविर) ग्राम पंचायत पटेला जिला मंदसौर में आयोजित किया जा रहा हैं, जिसकी

शुक्रवार को शुरुआत हुई। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एनएसएस वॉलेंटियर्स में सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व व सामाजिक जुडाव की भावना उत्पन्न करने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया जा रहा हैं। मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई । सरस्वती वंदना की प्रस्तुति प्रियंका खिंचावत , भारत मीणा , अविनाश राठौर तथा स्वागत गीत की प्रस्तुति राधिका कुंवर , रवीना ने दी ग्राम पंचायत पटेला के सरपंच प्रतिनिधि रामकरण पाटीदार एनएसएस कैंप उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि एनएसएस गतिविधियों में भाग लेना व्यक्तिगत विकास में काफी सहायक होता हैं क्योंकि इससे टीम वर्क, आपसी संचार और समस्या समाधान जैसे आवश्यक कौशल विकसित होते हैं। एनएसएस से जुड़ने वाले विद्यार्थी दूसरों से सहानुभूति रखने, सामाजिक मुद्दों को समझने में सक्षम होते हैं और उनमें जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ती हैं। अंकित दसलानिया निजी स्कूल के शिक्षक ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया है।एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ . गजेंद्र आर्य ने शिविर में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव में युवाओं की अहम भूमिका की बात करते हुए उनसे पर्यावरण व सामाजिक मुद्दों के समाधान में सक्रिय होने का आग्रह किया। आगे बताया कि युवाओं में दूसरों को प्रेरित करने और सकारात्मक बदलाव लाने की ताकत हैं।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में नीमच जिला टॉप में शामिल

नीमच, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सी एम हेल्पलाईन पोर्टल्स पर प्राप्त शिकायतो में माह जनवरी 25 की ग्रेडिंग में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिला लगातार तीसरी बार ए ग्रेड के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर शामिल हुआ है।

जिला प्रबंधक श्री आशीष जैन ने बताया कि माह जनवरी 25 में 3160 प्राप्त शिकायतो में से संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वेटेज (60%) में से 51.72 % एवम 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज (20%) में से 15.39 % कुल वेटेज 86.48 % के साथ नीमच जिले को ए रेटिंग प्राप्त हुई। समूह इ में 27 जिलो में जिला प्रथम स्थान रहा जबकि 55 जिलो में द्वतीय स्थान पर रहा। उल्लेखनीय की कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरन आंजना द्वारा माह में समस्त विभागों की शिकायतों के निराकरण हेतु सतत मानिटरिंग कर निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही शिकायतकर्ताओं को भी अवगत करवाया गयों फलस्वरुप आवेदकों द्वारा शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद करवाया गया है इसी का परिणाम है कि नीमच जिला सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर पाया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय नीमच जिले के सभी जिला अधिकारियों एवं उनकी टीम तथा सभी अधिकारी कर्मचारियों को दिया है।

त्यूबवेल चलाने के विवाद में पीटा

पिपलियामंडी, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। त्यूबवेल चलाने के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया। बाबूखेडा निवासी विजय पाटीदार ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि दशरथ पिता राधेश्याम पाटीदार से त्यूबवेल चलाने की बात करने गए इस दौरान दशरथ ने गाली-गलौज कर लोहे की राड से सिर पर वार किया, जिससे खून निकलने लगा। इसी दौरान प्रभुलाल पाटीदार, पुष्कर पाटीदार, दशरथ पाटीदार भी आए इन्होंने भी मारपीट शुरु कर दी। बीच-बचाव करने आए मेरे भाई नरेन्द्र से भी धक्का-मुक्की की। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

पत्रकार को जान से मारने की धमकी देने वाले तस्कर आरोपी धर्मेंद्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज

मनासा, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच पत्रकार द्वारा प्रकाशित किए गए तथ्यात्मक समाचार से बौखला कर गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने वाले तस्करी के आरोपी धर्मेंद्र गायरी धनगर के खिलाफ पुलिस में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

केंट थाने पर पत्रकार हरिश अहीर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद पंचायत की पहली बैठक में धर्मेंद्र धनगर अपनी माता शारदा धनगर की जगह बैठक में शामिल था क्योंकि महिला जनप्रतिनिधि की जगह उनके प्रतिनिधियों को बैठने की पात्रता नहीं है इस विषय को लेकर हमारे द्वारा समाचार प्रदर्शित किया गया इस बात से धर्मेंद्र पुरानी रंजिश रखे हुए था। आज वार्ड नंबर 3 की जनपद सदस्य श्रीमती कांता अहीर को छोड़ने के लिए जब हरीश अहीर जनपद पंचायत भवन परिसर में पहुंचे तब सामने से धर्मेंद्र धनगर अश्लील गालियां देते हुए जनपद पंचायत परिसर में आया और कहने लगा कि तुमको मेरे फोटो छापने खबरें लिखने का बहुत शौक है आइंदा से इस बात को समझ जाना मेरे खिलाफ खबरें प्रकाशित मत करना वरना जान से हाथ धो बैठोगे। मामले को संज्ञान में लेते हुए नीमच कैंट पुलिस ने धर्मेंद्र धनगर गायरी पिता मदन लाल धनगर निवासी हनुमंतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296 और 351 / 2 के तहत प्रकरण दर्ज किया।

तलवार से वार कर किया घायल, 2 पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 21 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। तलवार से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों पर केस दर्ज किया। कचनारा निवासी अनिल पिता मांगीलाल बागरी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि कुए पर विजय पिता राधेश्याम बागरी व जीवन पिता भेरुलाल बागरी आए और बोले की तू ज्यादा तेज चल रहा है। दोनों ने गाली-गलौज की व मारपीट के बाद तलवार से हाथ पर मारी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

NAME CHANGE

I IDRIS S/O SHAFAKAT HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO IDRIS JAORAWALA S/O SHAFAKAT HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS IDRIS JAORAWALA S/O SHAFAKAT FOR ALL FUTURE PURPOSES.
ADDRESS: BOHRA MOHALLA, SUWASRA
DIST: MANDSAUR MADHYA PRADESH 458888.

सेल्समेन की आवश्यकता
✲ अनुभवी पुरुष/महिला सेल्समेन की आवश्यकता है। ✲ अनुभवी मोबाईल रिपेरिंग वाले की आवश्यकता है।
✲ वेतन 5 अंको में ✲ योग्यता को प्राथमिकता
✲✲✲✲✲✲✲ संपर्क ✲✲✲✲✲✲✲
प्रदीप मोबाईल
दया मंदिर रोड़ मंदसौर
मोबाईल- 9893100778, 8319811988

श्री ज्ञान सागर हाई स्कूल सेमलिया हीरा
सक्षम और समर्पित एक शिक्षक की
आवश्यकता है
अच्छे अनुशासित और अनुभवी प्राचार्य की जरूरत है
QUALIFICATIONS:- B.Ed / M.Ed / D.Ed / D.El.Ed and other Graduate / Post graduate candidates may apply.
प्री प्राइमरी से जूनियर हाई स्कूल तक
अंग्रेजी | हिंदी | गणित
और
कक्षा 12वी विज्ञान, गणित, कला और वाणिज्य के लिए
शिक्षित एवं प्रशिक्षित शिक्षक की आवश्यकता है
कक्षा 3री से 12वी तक हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम उपलब्ध है

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 22 फरवरी को शाम 5 से रात 8 और रविवार 23 फरवरी को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-✲ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✲ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✲ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✲ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✲ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✲ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✲ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✲ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in